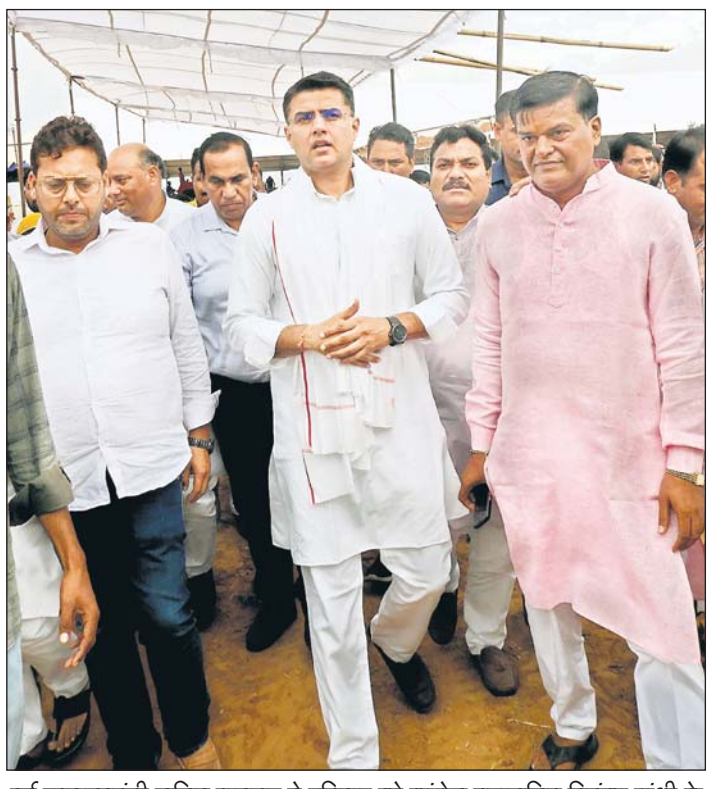

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निवाई आगमन की तैयारियों का जायजा लिया। पायलट ने प्रियंका गांधी के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन के आला अधिकारियों एवं विधायक प्रशांत बैरवा से चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। प्रशांत बैरवा ने बताया कि, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, इन्दिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित करेंगी तथा गांव झिलाय में इन्दिरा रसोई का शुभारंभ करेंगी।

पायलट निवाई पहुंचे, प्रियंका गांधी की सभा की तैयारियाँ देखने

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गाँधी रविवार को निवाई में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगी

- **निवाई पहुंचने पर पायलट का कांग्रेस के नेताओं व पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। पायलट के साथ चाकसू के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी व देवली उनियारा विधायक हरीश मीणा भी मौजद थे।**
- **निवाई के बाद प्रियंका झिलाय गांव भी जाएंगी और वहां इंदिरा रसोई का उद्घाटन करेंगी।**

निवाई, 9 सितम्बर (निसं)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के रविवार को निवाई विशाल आगमन की तैयारियों जायजा लेने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट निवाई पहुंचे। जहां कार्यक्रम को लेकर प्रशासन के आला अधिकारियों एवं विधायक प्रशांत बैरवा से चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा के लिए विशाल डोम तैयार किया जा रहा है। डोम में वीआईपी एरिया, राजीविका प्रदर्शनी, राज्य सरकार की योजनाओं की कियोस्क, ग्रामीण इंदिरा गांधी रसोई के उद्घाटन की व्यवस्था सहित अन्य सरकारी योजनाओं के प्रदर्शन की व्यवस्था की गई है। आम जनता के बैठने के लिए दो बड़े पाण्डाल बनाए गए हैं। आमजन व वीआईपी के अलग-अलग पार्किंग बनाई गई।

सभा स्थल पर प्रवेश के लिए तीन प्रवेश द्वार बनाए गए हैं जिनमें दो प्रवेश द्वार से आमजन का एवं एक प्रवेश द्वार से वीआईपी लोगों का प्रवेश होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के निवाई आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिए आला अधिकारी सुरक्षा पांइट तय किए हैं। विधायक प्रशांत बैरवा ने बताया कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, इन्दिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत महिलाओं को स्मार्ट फोन वितरित करेंगी तथा गांव झिलाय में इन्दिरा रसोई का शुभारंभ करेंगी। शनिवार की सुबह से ही ए.डी.एम. सूरजसिंह नेगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी, डीवाईएसपी महावीर सिंह, एसडीएम रविकांत सिंह, तहसीलदार अजीत बुदेला, थानाधिकारी हरिपाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के निरीक्षण के दौरान चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, देवली उनियारा विधायक हरीश मीणा मौजूद थे।

वहीं राजस्थान के प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव व सह प्रभारी अमृता धवन, ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज मंत्री रमेशचंद मीणा व पूर्व मंत्री नमोनारायण मीणा ने भी तैयारियों का निरीक्षण किया एवं जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक सहित आला अधिकारियों से चर्चा की। पंचायत राज मंत्री रमेशचंद्र मीणा ने सी.आई.डी. पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दोपहर में मॉडल स्कूल में बैठक ली और सुरक्षा व्यवस्था एवं कार्यक्रम की समीक्षा की।

इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी रंधावा, डोटासरा, धवन, पायलट, रमेश मीणा व अन्य बड़े नेताओं का विधायक प्रशांत बैरवा, स्वर्णीम चतुर्वेदी, प्रशांत शर्मा, रामसिंह मीणा, सीताराम शर्मा अलियाबाद, प्रदीप पारीक, ब्रह्मप्रकाश गुर्जर ने स्वागत किया।

जी-20 देशों ने की सभी आतंकवादी कृत्यों की कड़ी निंदा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (वार्ता)। भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह ने शनिवार को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कमजोर लक्ष्यों के खिलाफ सभी आतंकवादी कृत्यों की कड़ी निंदा की। जी-20 देशों ने संयुक्त बयान में कहा, आतंकवाद के सभी कृत्य आपराधिक और अनुचित हैं। चाहे उनकी प्रेरणा कुछ भी हो, कहीं भी, जब भी और किसी ने भी किया हो। नयी दिल्ली में मौजूद जी-20 के नेताओं की घोषणा के अनुसार, आतंकवाद विरोधी उपाय, आतंकवाद के पीड़ितों के लिए समर्थन और मानवाधिकारों की सुरक्षा परस्पर विरोधी लक्ष्य नहींहैं बल्कि पूरक एवं पारस्परिक रूप से मजबूत हैं।

घोषणा के अनुसार अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर एक समग्र दृष्टिकोण आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। आतंकवादी समूहों को सुरक्षित आश्रय, संचालन, आवाजाही और भर्ती की स्वतंत्रता के साथ-साथ वित्तीय, भौतिक या राजनीतिक समर्थन से वंचित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रभावशीलता बढ़ाने के प्रयासों को मजबूत किया जाना चाहिए।

घोषणा में कहा गया, हम आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करते हैं, जिसमें ज़ेनोफोबिया, नस्लवाद तथा असहिष्णुता के अन्य रूपों के आधार पर या धर्म या विश्वास के नाम पर आतंकवाद शामिल है। साथ ही, शांति के लिए सभी धर्मों की प्रतिबद्धता को मान्यता देते हैं।

इसमें कहा गया, आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। घोषणापत्र में जी-20 नेताओं ने छोटे हथियारों और हल्के हथियारों की अवैध तस्करी तथा विचलन के बारे में चिंता व्यक्त की गयी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए राज्यों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री चंद्रबाबू नायडू को सी.आई.डी. ने तड़के तीन बजे गिरफ्तार किया

पुलिस और सी.आई.डी. की टीम पूर्व मु.मंत्री नायडू के आवास पर बिना इजाजत घुस गई और उन्हें सोते से उठा लिया

- **आंध्र प्रदेश के डी.आई.जी. ने बताया कि, पूर्व मु.मंत्री को आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम घोटाला के मामले में गिरफ्तार किया गया है, वे इस केस में पहले आरोपी हैं। उन्हें इस केस के सिलसिले में एक नोटिस सौंपा गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजयवाड़ा शिफ्ट किया जायेगा।**
- **पुलिस नायडू के आवास पर मौजूद टी.डी.पी. के कार्यकर्ताओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान अधिकारियों और नायडू के समर्थकों के बीच हल्की झड़प भी हुई। इस मामले में 2021 में एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी।**

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को राज्य की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी पार्टी टीडीपी के एक प्रवक्ता ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री को शनिवार तड़के नांदयाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नांदयाल रेंज के डी.आइ.जी. रघुरामी रेड्डी और सी.आई.डी. के नेतृत्व में पुलिस की संयुक्त टीम ने उन्हें हिरासत में लेने के लिए सुबह करीब तीन बजे आर.के. फंक्शन हॉल में चंद्रबाबू नायडू के शिविर पर पहुंची। वह उस समय अपने कारवां में आराम कर रहे थे।

मौके पर भारी संख्या में मौजूद टी.डी.पी. कार्यकर्ताओं ने पुलिस का विरोध किया। चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा कर रहे एस.पी.जी. ने भी पुलिस को नियमों का पालन करने की सलाह दी। एस.पी.जी. ने कहा कि सुबह 5.30 बजे तक किसी को भी उनके पास पहुंचने की अनुमति नहीं दे सकते हैं। इसके बाद सुबह लगभग 6 बजे पुलिस ने नायडू के वाहन का दरवाजा खटखटाया। उन्हें नीचे उतारा और गिरफ्तार कर लिया। डी.आइ.जी. ने बताया कि उन्हें आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम घोटाले में गिरफ्तार किया जा रहा है, जिसमें वह पहले आरोपी हैं। उन्हें एक नोटिस उन्हें सौंपा गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजयवाड़ा शिफ्ट किया जा रहा है।

उन्हें आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 50 (1) (2) के तहत नोटिस जारी किया गया था। पुलिस ने चंद्रबाबू नायडू को बताया कि उन्हें धारा 120 (8), 166, 167, 418, 420, 465, 468, 471, 409, 201, 109 आर.डब्ल्यू. 34 और 37 आई.पी.सी. और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार किया जा रहा है। यह एक गैर जमानती अपराध है। उन्हें जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है। सी.आई.डी. के पुलिस उपाधीक्षक एम धनुंजयुडु द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक, नायडू केवल अदालत के माध्यम से जमानत मांग सकते हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप में शनिवार की सुबह आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टी.डी.पी. प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को सी.आई.डी. ने गिरफ्तार कर लिया। इस मामले पर सियासी हंगामा भी मच गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि सी.आई.डी. ने बिना किसी उचित जानकारी के उनकी गिरफ्तारी की। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि सी.आई.डी. ने सबूत दिखाने से भी इनकार कर दिया। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले मीडियाकर्मियों से बात करते हुए नायडू ने कहा, मैंने कोई चोरी या भ्रष्टाचार नहीं किया है। सी.आई.डी. ने बिना किसी उचित जानकारी के मुझे गिरफ्तार कर लिया। मैंने उनसे सबूत दिखाने को कहा लेकिन उन्होंने सबूत दिखाने से इनकार कर दिया। मेरी भूमिका के बिना मेरा नाम एफ.आई.आर. में जोड़ दिया।

टी.डी.पी. प्रमुख को कौशल विकास घोटाला मामले में कथित तौर पर आंध्र प्रदेश के आपराधिक जांच विभाग (सी.आई.डी.) ने हिरासत में लिया। इस मामले में 2021 में एफ.आई.आर. दर्ज किया गया था।

आज सुबह जैसे ही पुलिस टी.डी.पी. प्रमुख को गिरफ्तार करने पहुंची, उन्हें टी.डी.पी. कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों और नायडू के समर्थकों के बीच हल्की झड़प भी हुई। नायडू को इस मामले में आरोपी नंबर 1 के रूप में शामिल किया गया है।

आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को मैडिकल जांच के लिए नंद्याल अस्पताल ले जाना था, लेकिन उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया।

नई दिल्ली घोषणा पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुआ। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि इसे 100 प्रतिशत सर्वसम्मति मिली है। जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा को पश्चिमी देशों के नरम रूख के रूप में देखा जा रहा है जो यूक्रेन युद्ध के संदर्भ मे रूस की भूमिका पर कड़ी भाषा का प्रयोग करना चाहते थे।

इस समझौते का अर्थ है कि युद्ध पर जी-20 की स्थिति लगभग वैसी है जैसी पर गत वर्ष इंडोनेशिया में सहमति हुई थी। जब ज्यादातर सदस्यों ने कड़ाई से युद्ध की निंदा की और विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली गुटों में से एक को मानना पड़ा था कि स्थिति के अन्य आंकलन भी हैं। इस बार भारतीय वार्ताकारों के नेतृत्व में जी-20, 2023 घोषणा ने पुष्टि कर दी है कि जी-20 अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का शीर्ष मंच है, भूराजनैतिक और सुरक्षा मुद्दों को सुलझाने का मंच नहीं।

इस प्रतिष्ठित समूह के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर लिखा "आज जी-20 नेताओं के सम्मेलन में घोषणा को अधिकृत रूप से अंगीकार कर लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मानव केन्द्रित वैश्वीकरण पर बल और ग्लोबल साउथ के बारे में हमारी चिंताओं को स्वीकार किया गया है। मैं जी-20 के सभी सदस्यों को उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं।

भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने इस घोषणा को ऐतिहासिक और लीक से हटकर बताया और कहा कि विकास और भू राजनीति के सभी मुद्दों पर 100 प्रतिशत सहमति हुई। भू राजनीति का उल्लेख रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण है। कांत ने एक्स पर पोस्ट किया, "ऐतिहासिक और लीक से हटकर जी-20 घोषणा पत्र जिसमें सभी विकास एवं भूराजनैतिक मुद्दों पर 100 प्रतिशत सहमति बनी। आज नए भू राजनैतिक परिच्छेद हमारी पृथ्वी, लोग, शांति और समृद्धि की पुकार हैं। जो आज के विश्व में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को प्रदर्शित करता है।

खड़गे को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री आमंत्रित हैं।

खड़गे के अपमान के विरोधी में, कर्नाटक, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री राष्ट्रपति द्वारा दिए गए रात्रिभोज में शामिल नहीं हो रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, एम.एल. स्टालिन तथा आप नेता अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान मुख्यमंत्री होने के नाते डिनर में शामिल हो रहे हैं।

निमंत्रण प्राप्त होने के बावजूद, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एवं एच.डी. देवेगौड़ा "खराब स्वास्थ्य" के कारण रात्रिभोज में शामिल नहीं होंगे।

आज पायलट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री को कहीं भी स्टेट प्लेन ले जाने के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं होती, केवल प्राइवेट चार्टर्स के लिए अनुमति आवश्यक होती है।

प्रियंका गाँधी मध्य प्रदेश में पार्टी का चुनाव अभियान शुरु कर चुकी हैं और अब राजस्थान की बारी है। माना जा रहा है कि, प्रियंका की निवाई सभा सफल होगी, क्योंकि सचिन पायलट का टोंक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बगल में ही है।

मोरक्को में भयानक भूकम्प, 1037 लोगों की मौत

हजारों मकान धराशाही हुये, 1024 अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हुये

- **घायलों में 720 लोगों की हालात गम्भीर है।**
- **भूकम्प के झटके इतने तेज थे कि, घरों-मकानों के अलावा पहाड़ों और चट्टानों में भी दरारें आ गईं।**

रबात, 9 सितंबर (वार्ता)। मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,037 हो गई है जबकि 1,204 अन्य लोग घायल हो गए हैं। अल-अरबिया ब्रॉडकास्टर ने शनिवार को मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी। पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि 820 मौतें हुईं और 672 घायल हुए। प्रसारणकर्ता ने बताया कि घायलों में करीब 720 लोगों की हालत गंभीर है।

यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि शुक्रवार देर रात मोरक्को में 839,000 लोगों की आबादी वाले मराकेश शहर से 77 किलोमीटर (48 मील) दक्षिण-पश्चिम में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि भूकंप से तरौदंत और मराकेश शहरों में कई घर ढह गए। भूकंप के झटके रबात और कैसाब्लांका सहित मोरक्को के कई शहरों में महसूस किये गए।

मराकेश में रहने वाले एक विदेशी चीनी झांग काई ने कहा, भूकंप ने भूकंप के केंद्र के निकटतम बड़े शहर, मराकेश के पुराने शहर में कई इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया, और कई निवासियों को संभावित झटकों के डर से खुली जगह में रात बितानी पड़ी। मराकेश से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में ऑउरज़ाज़ेट में भूकंप के बाद निवासियों को खुली जगह पर शरण लेते देखा गया। ऑउरज़ाज़ेट से भूकंप के केंद्र तक रास्ते में पहाड़ों और इमारतों से चट्टानें और मलबे सड़क पर बिखरे हुए देखे गए।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए बचावकर्मियों को भूकंप प्रभावित इलाकों में भेजा गया है। भूकंप से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल मदीना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचने की सूचना मिली है।

इस बीच भारत की राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय मोरक्को की सहायता के लिए सामने आएगा। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने 'मोरक्को के लोगों के प्रति एकजुटता और समर्थन' देने का वादा किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने कहा कि वह इस खबर से 'हताश' हैं और उन्होंने मोरक्को को सहायता करने का आश्वासन दिया।

'नियमों का उल्लंघन कर खदान आवंटित कर रही हैं केन्द्र और सभी सरकारें'

- **सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि, यह कदम भावी पीढ़ी के लिए बहुत ही खतरनाक है, इससे लाखों लोग और स्थानीय आदिवासी अपनी जमीन से बेदखल किये जा रहे हैं।**

पुरी, 9 सितंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि, जिस प्रकार से केंद्र और राज्य सरकारें कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन कर कुछ कंपनियों को खदानें आवंटित कर रही हैं, वह बहुत खतरनाक है।

प्रशांत भूषण ने शनिवार को बेलादल गांव में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, अगर यह सिलसिला जारी रहा, तो हमारी भावी पीढ़ी के लिए बहुत कम खनिज बचेंगे और लाखों लोग अपनी भूमि से बेदखल हो जाएंगे।

दिग्गज वकील ने नियामगिरी, काशीपुर और बालनगीर (ओडिशा) का हवाला देते हुए कहा कि,कंपनियों को सुविधा प्रदान करने के लिए मूल आदिवासियों को बेदखल किया जा रहा है, इससे राज्य या कंपनी को लंबे समय तक मदद नहीं मिलेगी क्योंकि अधिकांश प्राकृतिक संसाधन खत्म हो जाएंगे।

प्रशांत भूषण जल, जंगल और जमीन को बहाल करने के लिए शीर्ष अदालत में उनके मामले की पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने (प्रशांत भूषण) राज्य सरकार के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला दायर किया है क्योंकि उसने उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि, शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को अवैध खनन करने वाली कंपनियों से 20,000 करोड़ रुपये एकत्रित करने का निर्देश दिया था लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार 17,000 करोड़ रुपये ही एकत्रित कर सकी है और 3,000 करोड़ रुपये अभी तक एकत्रित नहीं हुए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने कहा कि प्राकृतिक वनस्पति और जीव सभी जीवित प्रजातियों की जीवन रेखा के रूप में काम करते हैं। मूल निवासी पूरे देश में अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारों ने उन्हें विभिन्न आपराधिक मामलों में फंसाकर जेल में डाल दिया है। प्राकृतिक संसाधन मूल निवासियों का अधिकार है और इन संसाधनों की रक्षा करने की कोशिश करना कोई अपराध नहीं है।

22 जनवरी को हो सकती है राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

काशी के विद्वानों ने प्राण प्रतिष्ठा के लिए जो तीन मुहूर्त निकाले हैं उनमें से 22 जनवरी सर्वोत्तम है, हालांकि तारीख पर अंतिम मुहर प्रधानमंत्री कार्यालय से ही लगेगी

- **प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को अयोध्या में पूरे दिन बैठकों का दौर चला। जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।**
- **इस बैठक में संघ के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले व पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी भी शामिल हुये।**

अयोध्या, 9 सितम्बर। रामनगरी में तैयार हो रहे भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हो सकती है। काशी के विद्वानों ने प्राण प्रतिष्ठा के लिए जो तीन मुहूर्त निकाले हैं उनमें से 22 जनवरी सर्वोत्तम है। इसी के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि उसी दिन प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। हालांकि तारीख पर अंतिम मुहर प्रधानमंत्री कार्यालय से ही लगेगी।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को अयोध्या में पूरे दिन बैठकों का दौर चला। जन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। दूसरी तरफ रामकोट स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय में विहिप के शीर्ष मंडल की बैठक में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों पर मंथन किया गया। यहां प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पूरे भारत से लोगों को अयोध्या लाए जाने पर चर्चा हुई।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव 5 लाख गांव तक कैसे पहुंच सके इसको लेकर विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि समारोह में सबसे ज्यादा फोकस भीड़ नियंत्रण को लेकर है। अयोध्या में इतनी भीड़ आएगी तो अनुशासन बना रहे इस पर क्या रूपरेखा तैयार की जाय इस पर विचार हुआ।

बताया कि विहिप की केंद्रीय टोली व प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन समिति की बैठक 10 व 11 को भी होगी। इसके लिए विहिप के बड़े पदाधिकारी अयोध्या आ रहे हैं। विहिप की बैठक में शनिवार को संघ के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले व पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी भी शामिल रहे।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना

विजयवाड़ा, 9 सितंबर (वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी (टी.डी.पी.) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी की आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी समेत सभी विपक्षी दलों ने कड़ी निंदा की है जिसमें जन सेना, कांग्रेस और वामपंथी दल भी शामिल हैं। 73 वर्षीय नायडु को शनिवार सुबह राज्य की सी.आई.डी. पुलिस ने कथित कौशल विकास निगम घोटाले में गिरफ्तार किया है। नायडू को सीआईडी पुलिस ने नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम से सुबह लगभग 6 बजे गिरफ्तार किया जिसके बाद उन्हें विजयवाड़ा में एसआईटी कार्यालय भेज दिया गया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें रात में यहां की एसीबी अदालत में पेश किए जाने का अनुमान है। अपनी गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, नायडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले 45 वर्षों से मैंने निस्वार्थ भाव से तेलुगु लोगों की सेवा की है।

जी-20 की दिल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनमें से 7 पैराग्राफों में इस समस्या की चर्चा समाहित है। जयशंकर ने कहा कि घोषणा में "इस्ताम्बुल समझौते" का उल्लेख है जिसमें काला सागर के बंदरगाहों से अनाज की निर्विवाद सप्लाई सुनिश्चित करने की कोशिश निहित है। पश्चिम और चीन एवं रुस के बीच आ चुकी दुश्मनी के चलते, यह बात असंभव मानी जा रही थी।

नेताओं के इस सम्मेलन के पहले दिन स्वयं प्रधानमंत्रई नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली घोषणा के अंगीकरण की घोषणा की थी। उन्होंने उस टीम को बधाई दी थी जिसने इस सर्वसम्मत घोषणा को तैयार करने के लिये मेहनत की थी। यह शेरपाज' वर्किंग ग्रुप की पिछले कई महीनों से चल रही मीटिंगों का चरम बिन्दु था।

ऋषि सुनक ने इस सम्मेलन में रुस की निंदा कराये जाने का वादा किया था। भारत इसके पक्ष में नहीं था। बाली घोषणा पश्चिमी देशों को स्वीकार्य नहीं थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की गैर मौजूदगी के मुद्दे पर ज्यादा कुछ कहने से साफ इनकार कर दिया था। उनसे पूछे गए सीधे-सपाट सवाल, कि क्या शी की गैर मौजूदगी भारत का अपमान है, के जवाब में जयशंकर ने कहा कि सम्मेलन में उपस्थित होने के बारे में निर्णय लेना सहभागी देशों का परमाधिकार था। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि चीन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग-समर्थन करता रहा है।

इस घोषणा के लिये सबसे मुश्किल काम यूक्रेन युद्ध एवं उससे सम्बंधित रुस के रुख को लेकर विभिन्न राष्ट्रों के बीच के मतभेदों पर विजय पाना था। एक तरफ तो अमेरिका के नेतृत्व वाले विरोधी खेमे तथा दूसरी तरफ रुस और चीन के समर्थकों के बीच हुये विचार-विमर्श के दौरान उत्तेजनापूर्ण स्थितियाँ भी देखी गईं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित किये जाने के भी प्रस्ताव थे। कहने की आवश्यकता नहीं कि रुस ने इनका विरोध किया था तथा अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने इस बिन्दु को आगे बढ़ाया था। रुस के यूक्रेन पर हमले से लेकर कई महीनों तक इन मुद्दों को लेकर भारत पर टाम-मटोल करने तथा गोल-मोल बात कहने के आरोप भी लग चुके हैं।

इस टाल-मटोल के परिणाम जो भी रहे हों लेकिन दिल्ली घोषणा बाली घोषणा से उन्नत एवं आगे की चीज कही जा सकती है।

आर.एस.एस. की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगे। इनमें भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विद्या भारती, भारतीय किसान संघ, संस्कार भारती, सेवा भारती और संस्कृत भारती प्रमुख है। बैठक में सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा होंगी।

साथ ही देश की राजनैतिक स्थिति पर भी विचार विमर्श होगा। शाह व नड्डा भाजपा संघ प्रमुख को भाजपा की चुनावी रणनीति की जानकारी देंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत व संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसाबाले के साथ शाह व नड्डा आगामी विधानसभा चुनावों पर चर्चा करेंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600